1 NO: (15)

[stamp]

विश्व का विकास केलिए

हम 'कल' केलिए जी रहा हूँ। हर एक दिन हर एक व्यक्ति 'कल' के बारे में सोचते है। कल क्या होगा? यह हम पता नहीं।

भारत विविधताओं का देश है। जहाँ अनेक जाति, धर्म, संप्रदाय और आचार-विचार के लोग रहते हैं। पूरे विश्व में भारत का नाम आज हम सुन सकते हैं। भारत एक अविकासित राष्ट्र है। जब हम विकसन के बारे में सोचते हैं तब पहले भारत में जनता का उन सबके मन का विकास होना चाहिए। सबके साथ सबका विकास होना एक राष्ट्र केलिए अनिवार्य होता है। भारत समस्याओं का देश है। जहाँ आर्थिक, सामाजिक, नैतिक आदि कई प्रकार के समस्याएँ होते हैं। इन में से सबसे बड़ी